सिविल सेवा परीक्षा

सिविल सर्विसेज (IAS/ IPS/ IFS.....) देश की सबसे प्रतिष्ठित और शक्तिशाली सेवा है। देश के सम्पूर्ण प्रशासन का संचालन इसके द्वारा किया जाता है। इस सेवा में शामिल होकर राष्ट्र व समाज के लिए कार्य करना प्रत्येक युवा का सबसे बड़ा स्वप्न होता है।

सिविल सर्विसेज के अन्तर्गत संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) प्रत्येक वर्ष निम्नलिखित सेवाओं में अधिकारियों के चयन हेतु परीक्षा का आयोजन करता है :

अखिल भारतीय सेवाएं

- **भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS)**
- **भारतीय पुलिस सेवा (IPS)**
  (दृष्टि क्षमता– 6.00D तक मान्य, लैसिक सर्जरी मान्य। सीना– 84 सेमी (पुरुष) और 79 सेमी (महिला); ऊंचाई 165 सेमी (पुरुष) और 150 सेमी (महिला)
- **भारतीय वन सेवा (IFS)** : इस सेवा के लिए प्रारंभिक परीक्षा सिविल सर्विसेज परीक्षा के साथ होती है, लेकिन मुख्य परीक्षा भिन्न होती है।

समूह 'ए' सेवाएं:

- **भारतीय विदेश सेवा (IFS) :** इस क्षेत्र में आवेदन करने के लिए किसी विशेष स्नातक डिग्री या विदेशी भाषा के कोई प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता नहीं पड़ती है।
- **भारतीय राजस्व सेवा (IRS) :** 1. सीमा एवं उत्पाद शुल्क, 2. आयकर
- **कॉर्पोरेट विधि सर्विस (ICLS) :** भारतीय व्यापार सेवा (ITS)
- 1. लेखा परीक्षा और लेखा सेवा 2. सिविल लेखा, 3. रेलवे लेखा, 4. रक्षा लेखा, 5. डाक एवं तार लेखा और वित्त।

☞ इन सेवाओं में आवेदन करने के लिए बीकॉम, सीए या एमबीए की डिग्रीधारक होने की आवश्क्ता नहीं है।

- 1. डाक सेवा, 2. सूचना सेवा (IIS)
- **रेलवे :** 1. यातायात सेवा (IRTS) , 2. कार्मिक सेवा, 3. रेलवे सुरक्षा बल।
- **रक्षा :** 1. आयुध कारखाना (प्रशासनिक), 2. रक्षा संपदा सेवा।

समूह 'बी' सेवाएं:

- सशस्त्र बल मुख्यालय
  दिल्ली, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन व दीव और दादरा और नगर हवेली : सिविल सेवा (DANICS) और पुलिस सेवा (DANIPS)
- पांडिचेरी : 1. सिविल सेवा 2. पुलिस सेवा।

SARASWATI IAS

पात्रता मापदंड (Eligibility)

राष्ट्रीयता (Nationality)

- उम्मीदवार भारत का नागरिक होना चाहिए।

शैक्षिक योग्यता (Educational Qualification)

1. उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त होनी चाहिए।
2. स्नातक अंतिम वर्ष या सेमेस्टर के छात्र आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते वे मुख्य परीक्षा के आवेदन पत्र भरने से पहले अंतिम वर्ष/ सेमेस्टर की मार्कशीट प्राप्त करने वाले हों।
3. दूरस्थ शिक्षा की डिग्री मान्य है, यदि उसे यूजीसी/ एआईसीटीई/ किसी कानून द्वारा मान्यता प्राप्त हो।
4. एमबीबीएस की स्थिति में यूपीएससी साक्षात्कार–चरण आने से पहले एमबीबीएस इंटर्नशिप पूरा कर लेना चाहिए।

आयु सीमा (Age Limit)

- उम्मीदवार न्यूनतम 21 वर्ष और अधिकतम 32 वर्ष का होना चाहिए।
- उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा में निम्न छूट दी गई है :
  1. 5 वर्ष– अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी)
  2. 3 वर्ष– अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)
  3. 5 वर्ष – रक्षा सेवा कर्मी
  4. 5 वर्ष – पूर्व सैनिकों सहित कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ जिन्होने कम से कम 5 वर्ष की सैन्य सेवा प्रदान की हो।
  5. 10 वर्ष– दिव्यांग
  6. 5 वर्ष– ईसीओ/एसएससीओं के मामले में, जिन्होंने सैन्य सेवा के पांच वर्ष के कार्यकाल की अवधि पूरी कर ली है और जिनका असाइनमेंट पांच वर्ष से आगे बढ़ा दिया गया है और जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय मुद्दे जारी करता है।

प्रयासों की संख्या : (Number of Attempts)

1. **सामान्य उम्मीदवारों के लिए 6 प्रयास** (अधिकतम आयु 32 वर्ष तक)
2. **अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के लिए** : 9 प्रयास (अधिकतम आयु 35 वर्ष तक)
3. **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार के लिए कोई सीमा निर्धारत नहीं** (अधिकतम 37 वर्ष तक)
4. **दिव्यांग उम्मीदवार :** सामान्य और ओबीसी के लिए 9 प्रयास, जबकि (SC/ST) के लिए असीमित।

SARASWATI IAS

सामान्य अनुदेश

1. उम्मीदवारों को प्रश्नपत्रों के उत्तर स्वयं लिखने होते हैं। किसी भी परिस्थिति में उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी, तथापि दृष्टिहीन उम्मीदवारों को लेखन सहायक (स्क्राइव) की सहायता से परीक्षा में उत्तर लिखने की अनुमति होती है। दृष्टिहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीस मिनट का अतिरिक्त समय, दस मिनट प्रति घंटा के हिसाब से दिया जाता है।
2. केवल सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए उन उम्मीदवारों, को जो चलने में असमर्थ हैं तथा प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात से पीड़ित हैं और जहां उनकी यह असमर्थता, उनकी कार्य–निष्पादन क्षमता (लेखन) (न्यूनतम 40% अक्षमता) को प्रभावित करती है, उन्हे प्रत्येक घंटे में 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा, तथापि ऐसे उम्मीदवारों को स्क्राइव लेने की अनुमति नहीं होगी।

परीक्षा की योजना

(Plan of Examination)

सिविल सेवा परीक्षा में दो क्रमिक चरण होते हैं–

1. सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ)
2. सिविल सेवा मुख्य परीक्षा (लिखित तथा साक्षात्कार)

(क) प्रारम्भिक परीक्षा

प्रारम्भिक परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 200 अंको का होगा।

प्रश्नपत्र	अंक	अवधि	प्रश्नों की संख्या
सामान्य अध्ययन, प्रश्नपत्र I	200	2 घंटे	100
सामान्य अध्ययन, प्रश्नपत्र II **(CSAT)**	200	2 घंटे	80

नोट :

1. सिविल सेवा परीक्षा के प्रश्न पत्र– I में सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते जायेंगे। इसमें कुल 100 प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनका कुल अंक 200 होता है।
2. प्रश्न पत्र– II (CSAT) में कुल 80 प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनका कुल अंक 200 होता है। यह प्रश्न पत्र क्वालीफाइंग होता है। इस प्रश्न पत्र में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने आवश्यक हैं।
3. दोनों ही प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होते है।
4. प्रश्नपत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनो ही भाषाओं में तैयार किये जाते हैं।

SARASWATI IAS

5. दोनों प्रश्नपत्रों में निगेटिव मार्किंग होती है। तीन गलत उत्तर पर एक सही उत्तर के बराबर अंक काट लिए जाते हैं।

6. प्रत्येक प्रश्नपत्र दो घंटे की अवधि का होगा। नेत्रहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र में बीस मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाता है।

7. प्रारंभिक परीक्षा में कट–ऑफ मात्र प्रथम प्रश्नपत्र (सामान्य अध्ययन) में प्राप्त अंक के आधार पर निर्धारित होता है।

(ख) मुख्य परीक्षा

मुख्य परीक्षा का वर्तमान स्वरूप

प्रश्नपत्र–1	**निबंध**	**250 अंक**
प्रश्नपत्र–2	**सामान्य अध्ययन–1** (भारतीय विरासत और संस्कृति, इतिहास, भूगोल तथा समाज)	**250 अंक**
प्रश्नपत्र–3	**सामान्य अध्ययन–2** (शासन व्यवस्था, संविधान, राजव्यवस्था, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	**250 अंक**
प्रश्नपत्र–4	**सामान्य अध्ययन–3** (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन)	**250 अंक**
प्रश्नपत्र–5	**सामान्य अध्ययन–4** (नीति शास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि)	**250 अंक**
प्रश्नपत्र–6	**वैकल्पिक विषय : प्रश्न पत्र–1**	**250 अंक**
प्रश्नपत्र–7	**वैकल्पिक विषय : प्रश्न पत्र–2**	**250 अंक**
क्वालिफाइंग प्रश्न पत्र–1	**अंग्रेजी**	**300 अंक**
क्वालिफाइंग प्रश्न पत्र–2	**हिंदी या आठवीं अनुसूची में शामिल कोई भाषा**	**300 अंक**
	लिखित परीक्षा का योग	**1750 अंक**
	साक्षात्कार/व्यक्तित्व परीक्षा	**275 अंक**
	कुल योग (Total Marks)	**2025 अंक**

मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची

SARASWATI IAS

1. कृषि विज्ञान
2. नृ– विज्ञान
3. रसायन विज्ञान
4. वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि
5. विद्युत इंजीनियर
6. भू–विज्ञान
7. विधि
8. गणित
9. चिकित्सा विज्ञान
10. भौतिक विज्ञान
11. मनोविज्ञान
12. समाज शास्त्र
13. प्राणी विज्ञान
14. पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
15. वनस्पति विज्ञान
16. सिविल इंजीनियरी
17. अर्थशास्त्र
18. भूगोल
19. इतिहास
20. प्रबंधन
21. यांत्रिक इंजीनियरी
22. दर्शन शास्त्र
23. राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
24. लोक प्रशासन
25. सांख्यिकी
26. निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन किया जा सकता है–
असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू और अंग्रेजी।

नोट :

1. परीक्षा के प्रश्नपत्र पारम्परिक (विवरणात्मक) प्रकार के होते हैं।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का होगा।
3. मुख्य परीक्षा में कुल 9 प्रश्न पत्र होंगे, जिनमें दो प्रश्नपत्र (1. अंग्रेजी, 2. हिन्दी अथवा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल कोई भाषा) क्वालिफाइंग होते है। क्वालिफाइंग प्रश्नपत्र प्रत्येक 300 अंक के होते हैं, जिनमें न्यूनतम अर्हता अंक 25 प्रतिशत (प्रत्येक प्रश्नपत्र में 75 अंक) निर्धारित है। इन प्रश्न पत्रों के अंक कट–ऑफ अथवा परिणाम (result) में नहीं जोड़े जाते हैं।
5. प्रश्नपत्र (भाषा एवं साहित्य के प्रश्नपत्रों को छोड़कर) हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनो में तैयार किए जाते हैं।

साक्षात्कार

1. सिविल सेवा परीक्षा में साक्षात्कार के लिए कुल 275 अंक निर्धारित किए गए हैं। साक्षात्कार एवं मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर अंतिम परिणाम (Merit List) तैयार किया जाता है।
2. मुख्य परीक्षा में सफल उम्मीदवारों का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा लिया जाता है। साक्षात्कार में उम्मीदवारों से परिचयात्मक अथवा सामान्य रुचि के प्रश्न पूछे जाते हैं।

घोषणा

सिविल सर्विसेज परीक्षा की यह जानकारी UPSC द्वारा दी गयी सूचनाओं पर आधारित है। यहां इसकी प्रस्तुति, सूचनाओं अथवा लिखने में त्रुटि हो सकती है। कृपया UPSC द्वारा प्रस्तुत मूल सूचनाओं का अवलोकन अवश्य करें।

SARASWATI IAS

पाठ्यक्रम

प्रारंभिक परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य अध्ययन)

- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं
- भारत का इतिहास और स्वाधीनता आंदोलन
- भारत एवं विश्व का भूगोल – भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल
- भारतीय राज्यतंत्र, और शासन–संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे आदि।
- आर्थिक एवं सामाजिक विकास– सतत् विकास, गरीबी समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।
- पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञान

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न पत्र–1 पूछे गए प्रश्नों का विश्लेषण

विषय	2019	2018	2017	2016	2015
भारत का इतिहास और स्वाधीनता आंदोलन	15	23	17	17	15
भारतीय संविधान व राजव्यवस्था	13	15	9	9	14
भारत और विश्व का भूगोल	12	9	4	4	17
पारिस्थितिकी, पर्यावरणऔर जैव विविधता	15	10	21	21	24
भारत की अर्थव्यवस्था, आर्थिक, सामाजिक विकास	20	24	24	24	10
सामान्य विज्ञान	12	11	14	14	16
समकालीन घटनाएँ	13	8	11	11	4
कुल	100	100	100	100	100

सामान्य अध्ययन : द्वितीय प्रश्न पत्र (CSAT) (क्वालिफाइंग)

- बोधगम्यता

SARASWATI IAS

- संचार कौशल सहित अंतर–वैयक्तिक कौशल,तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत अंकीय योग्यता (दसवीं स्तर तक के)
- आंकड़ा विश्लेषण – चार्ट, ग्राफ, सारणी, आँकड़ा पर्याप्तता आदि (दसवीं स्तर तक के)

नोट :–

1. उम्मीदवार को मूल्यांकन के उद्देश्य से सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के दोनो प्रश्नों में उपस्थित होना अनिवार्य है। इसलिए, यदि वह दोनों में से किसी में उपस्थित नहीं होता है, तो उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।
2. दूसरा पेपर क्वालिफाइंग का होता है और उम्मीदवार को इस पेपर में न्यूनतम 33% अंक प्राप्त करने होते हैं हालांकि, मुख्य परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए मेरिट सूची पहले पेपर में प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाती है।

मुख्य परीक्षा : पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र –'क' तथा 'ख'

कोई एक भारतीय भाषा तथा अंग्रेजी दोनो प्रश्न पत्र अर्हक होंगे प्रत्येक 300 अंक के होंगे।

इन प्रश्नपत्रो का उद्देश्य उम्मीदवार के गंभीर तथा तार्किक गद्य अवतरण को समझने तथा पढ़ने की क्षमता का तथा इन भाषाओं मे अपने विचारों को स्पष्टतः व शुद्धतापूर्वक व्यक्त कर सकें, की परीक्षा करना है।

प्रश्नो के प्रारूप व्यापक रूप से निम्न प्रकार के होंगे–

प्रश्नपत्र (क) : भारतीय भाषाएं

दिये गये अवतरणों को समझना, संक्षेपण, शब्द प्रयोग तथा शब्द भण्डार, लघु निबंध, अंग्रेजी से भारतीय भाषा तथा भारतीय भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद।

प्रश्नपत्र (ख) : अंग्रेजी

दिये गये गद्यांश को समझना, संक्षेपण, शब्द प्रयोग तथा शब्द भण्डार, लघु निबंध।

प्रश्न पत्र–I निबंध (अंक : 250)

उम्मीदवारों को दिये गये विषयों से संबंधित विकल्पों में से एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के विषय के निकट रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा संक्षेप में लिखें। प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों के लिए श्रेय दिया जायेगा।

प्रश्न पत्र– II : सामान्य अध्ययन– I (अंक : 250)

(भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)

SARASWATI IAS

- भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के रूप में साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।
- 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास, महत्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व विषय।
- स्वतंत्रता संग्राम – इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महतवपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
- स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकारण और पुनर्गठन।
- विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्वयुद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शनशास्त्र जैसे साम्यवाद, पूँजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे।
- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधतां।
- महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय।
- भारतीय समाज पर भूमंडलीयकरण का प्रभाव।
- समाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म–निरपेक्षतां
- विश्व के भौतिक– भूगोल की मुख्य विशेषताएं।
- विश्व भर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण, विश्व के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक।
- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू–भौतिकीय घटनाएं, भूगोलीय विशेषताएं और उनके स्थान–अति महत्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं और वनस्पति एवं प्राणिजगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।

प्रश्न पत्र– III : सामान्य अध्ययन– II (अंक : 250)

(शासन व्यवस्था, शासन–प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

- भारतीय संविधान– ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथथ्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।
- संसद और राज्य विधायिका–संरचना, कार्य–संरचना, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।

SARASWATI IAS

- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना संगठन और कार्य– सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व।
- संविधिक, विनियामक और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग–गैरसरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघो, दानकर्ताओं, लोकापकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।
- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गो के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य–निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।
- गरीबी और भूख से संबंधित विषय।
- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई–गवर्नेस–अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं : नागरिक चार्टर तथा अन्य उपाय।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।
- भारत एवं इसके पड़ोसी–संबंध।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
- भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकाशसील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय, संस्थाएं और मंच उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रश्न पत्र– IV: सामान्य अध्ययन– III (अंक : 250)

(प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन)

- भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय।
- समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।
- सरकारी बजट।
- मुख्य फसलें– देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटन–सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली–कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं : किसानों की सहायता के लिए ई–प्रौद्योगिकी।

SARASWATI IAS

- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय, जन वितरण प्रणाली–उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार, बफरस्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय, प्रौद्योगिकीमिशन पशुपालन संबंधी अर्थशास्त्र।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग कार्यक्षेत्र एवं महत्व, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
- भारत में भूमि सुधार।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिकी नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।
- बुनियादी ढांचा : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, रेलवे आदि।
- निवेश मॉडल।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग और राजमर्रा के जीवन पर इनका प्रभाव।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीय उपलब्धियां, देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो– टैक्नोलॉजी, बायो–टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता।
- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।
- आपदा और आपदा प्रबंधन।
- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।
- आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइडों की भूमिका, साइबर सुरक्षा बुनियादी बातें, धन शोधन और इसे रोकना।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियों एवं उनका प्रबंधन–संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।
- विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश।

प्रश्न पत्र– V : सामान्य अध्ययन– IV (अंक : 250)

(नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरूचि)

- इस प्रश्न पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार–व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृति का परिक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न पत्र में से किसी मामले के अध्ययन का माध्यम भी चुना जा सकता है, मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जायेगा।

SARASWATI IAS

- **नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह–संबंध :** मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम, नीतिशास्त्र के आयाम, निजी ओर सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र मानवीय मूल्य–महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा , मूल्य विकसित करने में परिवार, समात और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
- **अभिवृति :** सारांश, संरचना, वृति, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरूचि, सामाजिक प्रभाव और धारण।
- सिविल सेवा के लिए अभिरूचि तथा बुनियादी मुल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गो के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।
- **भावात्मक समक्ष :** अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।
- **लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र :** स्थिति तथा समस्याएं, सरकारी तथा निजी संस्थाओं में नैतिक चिंताएं दुविधाएं, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधिव्यवस्था में नैतिक मुद्दे, कारपोरेट शासन व्यवस्था।
- **शासन व्यवस्था में ईमानदारी :** लोकसेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान–प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

प्रश्न पत्र– VI तथा प्रश्न पत्र– VII

मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची :

कृषि विज्ञान, मनुष्य जाति विज्ञान, रसायन विज्ञान, वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि, विद्युत इंजीनियरी, भू–विज्ञान, विधि, गणित, चिकित्सा विज्ञान, भौतिक विज्ञान, मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, प्राणी विज्ञान, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, सिविल इंजीनियरी, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, प्रबंधन, यांत्रिक इंजीनियरी, दर्शन शास्त्र, राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, लोक प्रशासन, सांख्यिकी

निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन किया जा सकता है–

असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संताली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू और अंग्रेजी।

नोट :– परीक्षा में लेखन माध्यम हेतु उम्मीदवार अंग्रेजी अथवा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित किसी भी भाषा का प्रयोग कर सकते हैं।

SARASWATI IAS

घोषणा

सिविल सर्विसेज परीक्षा की यह जानकारी UPSC द्वारा दी गयी सूचनाओं पर आधारित है। यहां इसकी प्रस्तुति, सूचनाओं अथवा लिखने में त्रुटि हो सकती है। कृपया UPSC द्वारा प्रस्तुत मूल सूचनाओं का अवलोकन अवश्य करें।

SARASWATI IAS